



# भारत का गज़ीत The Gazette of India

## असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उत्तर-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

12/26/1988

सं. 401]

नई दिल्ली, गुरुवार, जुलाई 22, 1988/ग्रावाद 31, 1910

No. 401]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 22, 1988/ASADHA 31, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली हैं जिससे यह यह अलग संकलन की रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

जल भूतस परिवहन मंत्रालय

(नीलहर पत्र)

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1988

प्रधिकारकार्यालय

(वाणिज्य पोत परिवहन)

सं. का. पि. 808(अ) :—केन्द्रीय सरकार, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 356 की उपचारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 1 अक्टूबर, 1988 को, उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको धारा 356 के उपचार्य प्रदूषत होंगे।

[सं. एस. उद्धृ. /5-एम.एस.भार. (11)/84-एम/ए]

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT  
(Shipping Wing)

New Delhi, the 22nd July, 1988

NOTIFICATIONS  
(MERCHANT SHIPPING)

G. S. R. 808 (E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 356A of the

Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby appoints the 1st day of Oct., 1988, as the date on which the provisions of section 356M shall come into force.

[No. SW/5-MSR (11)/84-MA]

सं. का. पि. 809(अ) :—केन्द्रीय सरकार, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 356 के उपचारा 356 ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियन्त्रित भिन्न होनावाली है, भवति :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—

(1) इन नियमों का गंभीर भाव में वाणिज्य पोत परिवहन (सेल प्रदूषण उपकर का उद्योग) नियम, 1988 है।

(2) ये (राजपत्र में प्रकाशित) को तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. परिमाणाएँ :—इन नियमों में, जब तक गत्वार्थ से अन्यथा अनिवार्य न हो :—

(क) "भवति" से वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) अनिवार्य है,

(ख) "उपकर" से अधिनियम की धारा 356 की उपचारा (1) में उल्लिखित तेल ग्रदूषण उपकर अनिवार्य है,

(ग) "भविकारी" से भारतीय पतन अधिनियम, 1908 (16 of 1908 का 15) के अर्व के अस्तरेत महापतन के संबंध में उसका संरक्षक तथा भारत में के महाकर्ता और सबु पतनों के प्रबंध में ऐसे पतनों का पतन अधिकारी अभिनेत है,

(घ) "अनुसूची" से हन विवरों से उपायद कोई भी अनुसूची अधिकारी है।

3. उपकर का उद्देश्य और संग्रहण :—

(1) 1 अक्टूबर, 1988 से भारत में हर पतन पर खुलोरा के रूप में तेल वहन करने वाले पोत पर प्रति टन तेल की वात प्राप्ति ऐसे की दर से उपकर तब उत्पन्न किया जाएगा जब—

(क) भारत में किसी पोत द्वारा खुले स्थोरा के रूप में आपत किया गया हो, और

(ख) भारत में किसी स्थन से किसी पोत के खुले स्थोरा के रूप में लाया गया हो।

(2) उपकर, यांत्रिकी, तेल के निकासन या तेल के लालन के प्रारम्भ करने से पूर्व पोत के म.स्टर, स्वामी या अधिकारी द्वारा अधिकारी को देय होगा।

(3) उपकर, काम चैक द्वारा अधिकारी के नाम से पाने वाले वारे में संदर्भ किया जाएगा जो, केन्द्रीय सरकार द्वारा अवधारित बहुली खर्च यदि हो, कोई को कटौती करने के पश्चात उसे सात दिन के सोतर पी ए ओ (एम एच), नई दिल्ली के नाम डिमांड बुफ्ट द्वारा राजस्व भाय एम एच "0045—किसी और सेवाओं पर अन्य कर एवं शुल्क-112—उपकर एवं अन्य अधिनियमों से अर्व" जाते में जमा करना जाएगा।

(4) अधिकारी द्वारा प्राप्त उपकर के हर संदर्भ के लिए अनुसूची 1 में विनियिंद्र प्रलूप में रखी जारी की जाएगी।

4. संदाय के लिए वायित्व के संबंध में विवरों का भववारणा/—यदि किसी पोत की वात इन विवरों के अधीन संदाय के लिए शोध यांत्रि के संबंध में यह ऐसो राशि के संदाय के लिए वायित्व के संबंध में कोई विवाद उत्पत्त होता है तो विवाद करने वाले एकों से से किसी एक द्वारा दावेदार करने पर, विवाद को सुनवाई के पश्चात नौदहन महानिवेदक द्वारा विवाद पर विनियाय किया जाएगा और उनका विनियाय दोनों पक्षकारों के लिए आवश्यक होगा।

5. लेखों का अनुरक्षण :—संगृहित उपकर की उचित गणना के लिए यह अधिकारी जो उपकर संग्रह करता है, अनुसूची II में विनियिंद्र प्रलूप में रीतित लेखा का अनुरक्षण करेगा तथा उसे नौदहन महानिवेदक को हर कलैण्डर वर्ष को संबंधित में 30 दिन के सोतर प्रस्तुत करेगा।

### अनुसूची-I

प्राप्ति का प्रकृप

[नियम 3 (4)]

1. (क) पोत का नाम

(ख) इनमार

(ग) स्थोरा के रूप में तेल की भीटी छनी में भाला

2. पतन जिस पर सेल प्रबूधण उपकर संदर्भ किया गया।

3. पतन जिस पर पोत ने स्थोरा के रूप में तेल का निकासन या लालन किया है।

4. संदर्भ राशि : वायरों में----- और अंकों में----- रु.

5. अब तारीख जिसको राशि संदेश मुद्दी।

6. वह तारीख जिसको राशि वास्तविक रूप में संदर्भ की गई थी।

7. शोत के मास्टर, स्वामी या अधिकारी को और से संबंध करने वाले अधिकारी का नाम और पता।

अधिकारी के वृस्ताकार नियम 3 के उपनियम (2) के प्राधिकृत अधिकारी

तारीख: .....

### अनुसूची II

वर्ष: ..... के लिए अंतिम लेखा (नियम 5)

(क) वर्ष के दौरान संदाय के लिए शोध तेल प्रदूधण उपकर

(ख) वास्तविक रूप में संगृहीत तेल प्रदूधण उपकर

(ग) पोत का नाम

(घ) अनुसूची वर्ष

(क) प्रक्षोर्ण वर्ष, यदि कोई हो,

(च) वाला वर्ष से ..... में उपकर की राशि जमा की

अधिकारी के वृस्ताकार

नियम 3 के उपनियम (2) के प्रवीन प्राधिकृत अधिकारी

तारीख:

[स. एस. इल्यू. 5—एस. एस. मार. (1)/86. एम. प.]

राम लोही, अवर सचिव

G. S. R. 809 (E) :—In exercise of the powers conferred by section 356O read with section 356M of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

#### 1. Short title and commencement

(1) These rules may be called the Merchant Shipping (Levy of Oil Pollution Cess) Rules 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

#### 2. Definitions—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958);

(b) "cess" means the Oil Pollution Cess referred to in sub-section (1) of section 356M of the Act;

(c) "officer" in relation to a major port within the meaning of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) means the conservator thereof and in relation to intermediate and minor ports in India, the Port Officer of such ports;

(d) "Schedule" means any of the Schedule annexed to these rules.

**3. Levy and collection of cess—**

- (1) With effect from the 1st day of Oct., 1988 there shall be levied and collected at every port in India, on a ship which carries oil as cargo, a cess at the rate of fifty paise in respect of each tonne of oil—
  - (a) imported by a ship into India in bulk as a cargo, and
  - (b) shipped from any place in India in bulk as a cargo of a ship.
- (2) The cess shall be payable to the officer by the master, owner or agent of a ship before commencement of discharge of oil or, as the case may be, loading of oil.
- (3) The cess shall be paid by cheque crossed account payee in favour of the officer, who shall, after deduction of cost of collection, if any, determined by the Central Government, deposit the same within seven days through a Demand Draft in favour of Pay & AO (NH), New Delhi, for credit to the revenue receipt M. H. "0045 Other Taxes and Duties on commodities & Services, 112—Receipt from cesses and other Acts".
- (4) For every payment of the cess received by the officer, there shall be issued a receipt in the form specified in Schedule I.

**4. Determination of disputes as to the Liability for payment :—**

If any dispute arises as to the amounts due for payment under these rules in respect of any ship or as to the liability for payment of such amount, the dispute shall, on an application made by either of the disputing parties, be decided by the Director General of Shipping after giving a hearing to the opposite party, and his decision shall be binding on both the parties.

**5. Maintenance of accounts :—** For the proper accounting of the cess collected, the officer whose duty it is to collect the cess, shall maintain proforma account in the form specified in Schedule II and submit to the Director General of Shipping annually within 30 days from the closure of each calendar year.

**SCHEDULE I**

**FORM OF RECEIPT**

[Rules 3 (4)]

1. (a) Name of the ship
- (b) Tonnage
- (c) Quantity of oil as cargo in metric tonnes.
2. Port at which Oil Pollution Cess has been paid.
3. Port at which ship has discharged or loaded oil as cargo.
4. Amount paid : in words : \_\_\_\_\_  
in figures Rs. : \_\_\_\_\_
5. Date on which amount become payable.
6. Date on which amount was actually paid.

7. Name and address of the person making payment on behalf of the master, owner or agent of the ship.

Date :

Signature of the Officer  
Officer authorised under  
sub-rule (2) of rule 3.

**SCHEDULE II**

**PROFORMA ACCOUNT FOR THE YEAR.....**

(rule 5)

- (a) Oil Pollution Cess due for payment during the year.
- (b) Oil Pollution Cess actually collected.
- (c) Name of the ship.....
- (d) Cost of collection.
- (e) Miscellaneous expenditure, if any.
- (f) Amount of cess, credited to the Head of Account No. .....

Signature of the Officer  
Officer authorised under sub-rule (2)  
of rule 3.

[No. SW/5-MSR (1)/86-MA]  
RAM SANEHI, Under Secy.